

यशुदा देख तेरे लाला ने  
मेरी दई मटकिया फोर ॥२॥

दई मटकिया फोर-हाँ-हाँ-

दई मटकिया फोर ॥२॥

यशुदा देख-----

जब दही बेंचन घर से निकरी  
मिल गयो नंदकिशोर हाँ-हाँ-

मिल गयो नंदकिशोर

ऊँच-नीँच बालें खुद कीन्ही

देवे मोखों खोर हाँ-हाँ-

देवे मोखों खोर

यशुदा देख-----

दान दही को मोसें माँगो

खूब मचायो शोर-हाँ-हाँ-

खूब मचायो शोर

फोर मटकिया रेंसो नाँचे

जैसे वन में मोर-हाँ-हाँ-

जैसे वन में मोर

यशुदा देख-----

उब सम्हार अपने लाला खों  
 है विनती कर जोर-हाँ-हाँ-  
 है विनती कर जोर

हार गई मैं तो "श्री बाबा श्री" ये  
 बाँध लो ओ खों डोर-हाँ-हाँ-  
 बाँध लो ओ खों डोर

यशुदा देख-----